युद्ध से मोहभंग

लिन हगिंस कूपर

चित्र: जान हेवुड

1914 की बात है जब एक 16 वर्षीय ब्रिटिश लड़का सिडनी, जर्मनी से लड़ने को लालायित था. सैन्य भर्ती अभियान और महान युद्ध में लड़ने के लिए जाने वाले बहादुर लोगों में वो खुद शामिल होना चाहता था. पर जल्द ही वो युद्ध की असलियत और भयावहता से वाकिफ होता है. जंग की खाइयों में उसे चूहे - काटते हैं. घर भेजे सिडनी के पत्रों के माध्यम से हमें पता चलता है की प्रथम विश्व युद्ध की खाइयों में, उसका युद्ध से मोहभंग कैसे हुआ.

युद्ध से मोहभंग

लिन हगिंस कूपर

चित्र: जान हेवुड

युद्ध की घोषणा हो चुकी है

अखबार इस खबर से भरे पड़े हैं कि जर्मनी ने फ्रांस पर हमला किया है.

पिताजी बेचैन हैं. उनके दोस्त युद्ध में शामिल होने को तत्पर हैं. "राजा और देश दोनों के लिए लड़ना हर आदमी का कर्तव्य है." माँ जब भी किसी को वो कहते सुनती हैं, तो वो रसोई में बर्तनों को आपस में पीटती हैं.

काश मैं बड़ा होता! मैं क्रिसमस से ठीक पहले सोलह वर्ष का हो जाऊँगा. लेकिन पिताजी का कहना है कि युद्ध तब तक खत्म हो जाएगा - लगता है मैं जर्मनी से कभी नहीं लड़ पाऊंगा!
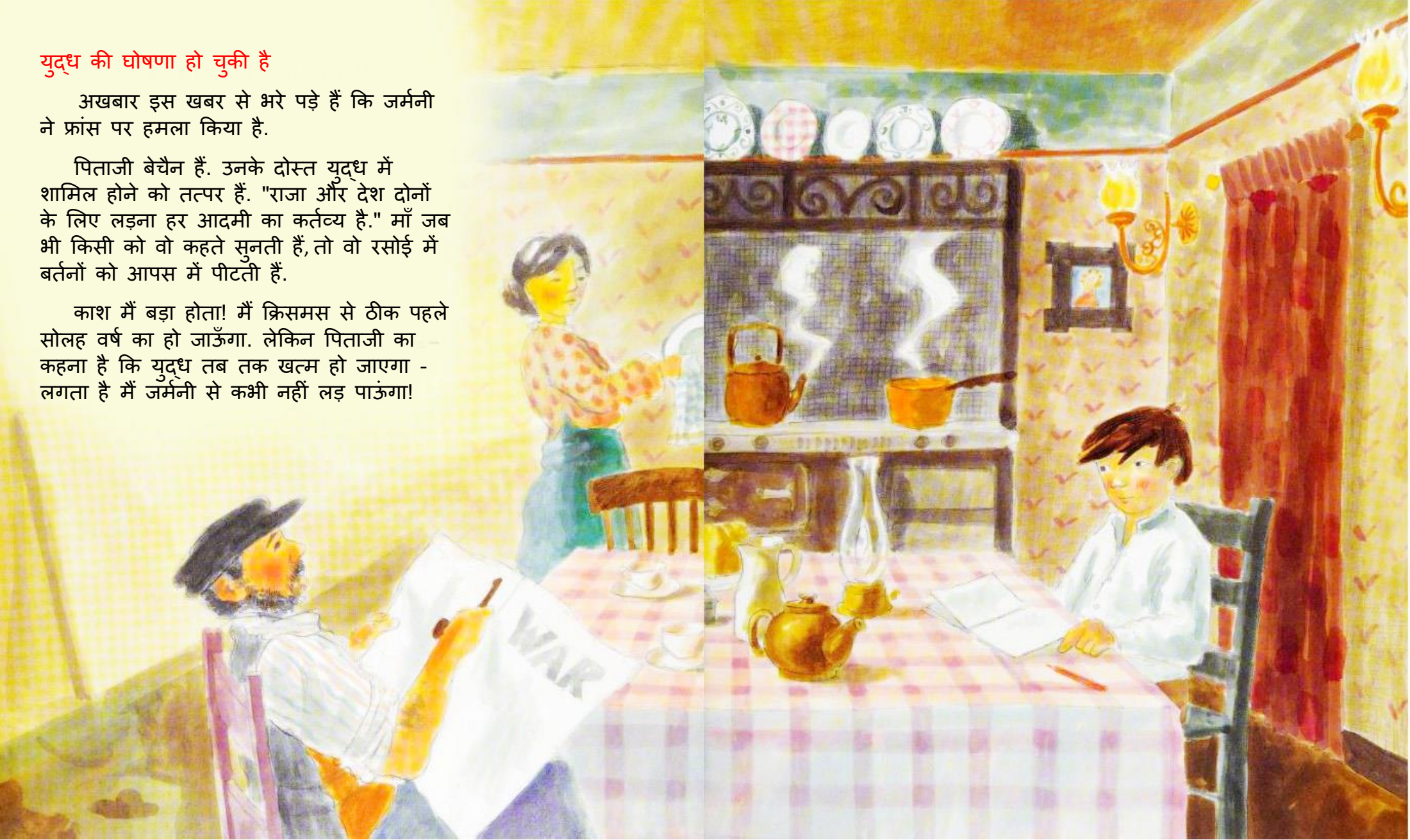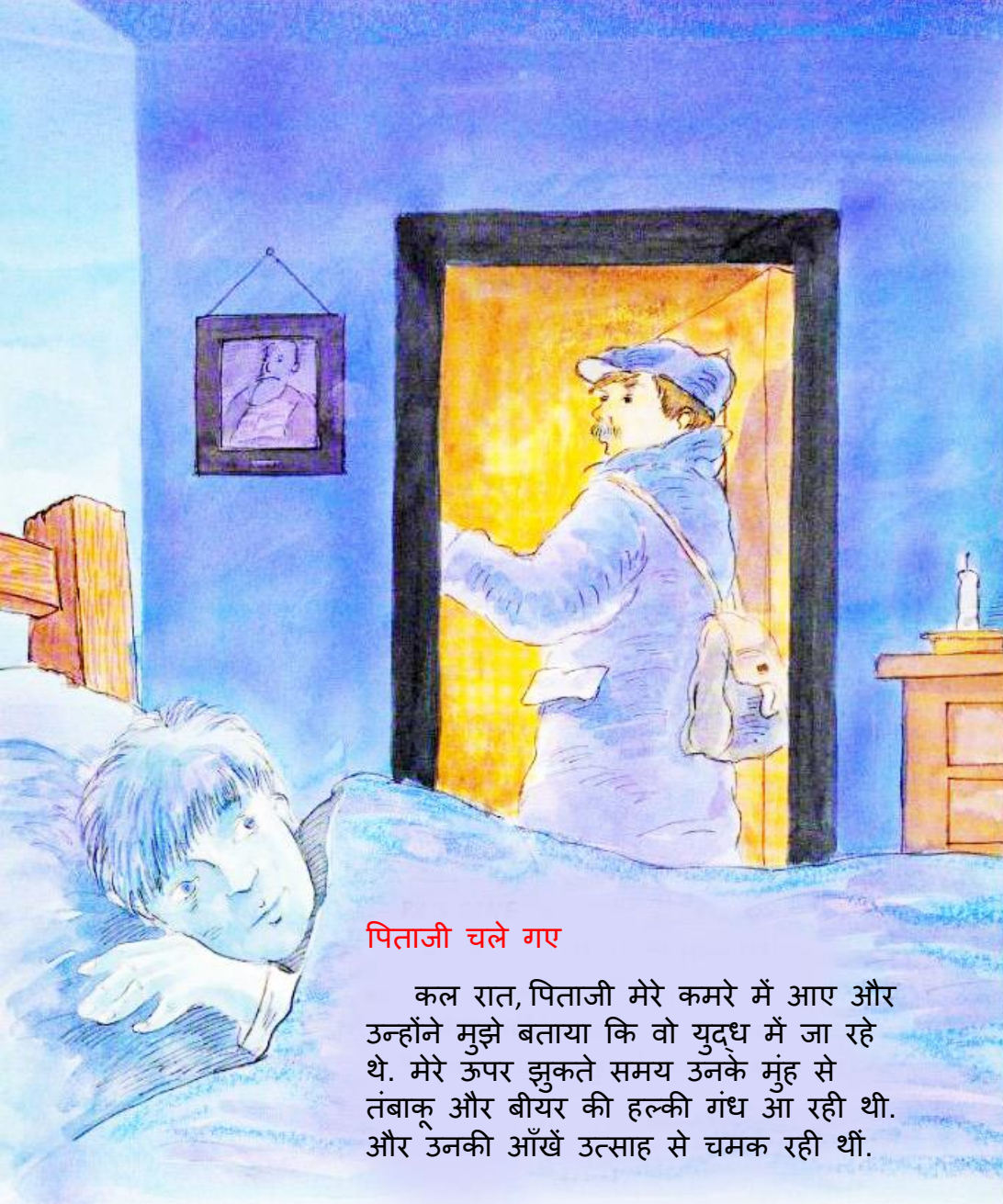
पिताजी चले गए

कल रात, पिताजी मेरे कमरे में आए और उन्होंने मुझे बताया कि वो युद्ध में जा रहे थे. मेरे ऊपर झुकते समय उनके मुंह से तंबाकू और बीयर की हल्की गंध आ रही थी. और उनकी आँखें उत्साह से चमक रही थीं.

माँ ने आज सुबह एक शब्द भी नहीं कहा. हालाँकि, उसकी आँखें फूली और लाल थीं.

जैसे ही मैं काम के लिए निकला, माँ ने मेरा हाथ पकड़ लिया और मुझे गले लगाया. मैं खुश था कि कोई और लड़का मुझे देख नहीं रहा था.

भगवान, काश मैं कुछ और बड़ा होता!
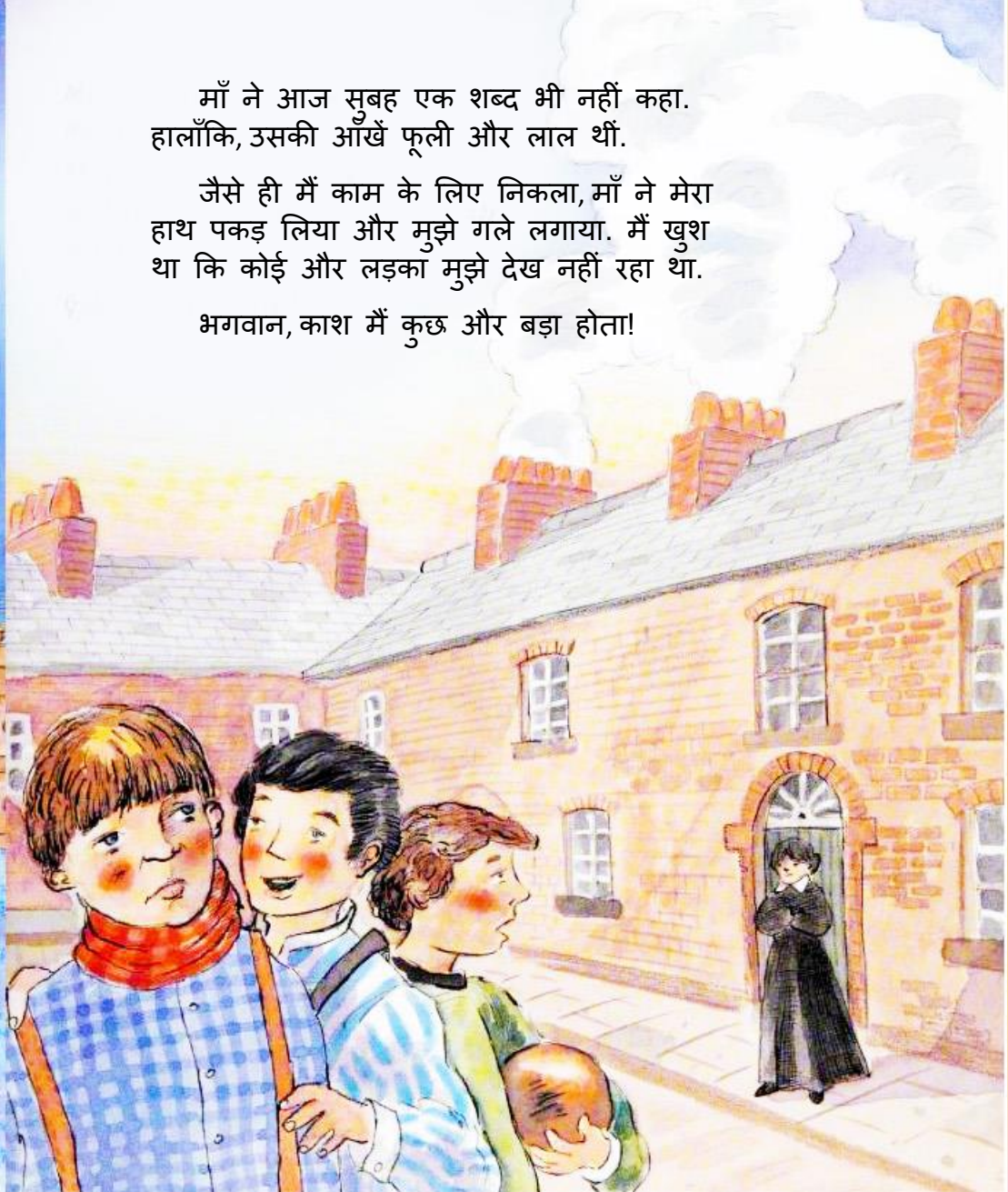
मैंने अपना मन बना लिया है. मैं युद्ध में शामिल हो रहा हूं. लेकिन माँ मुझ से लगातार मना कर रही हैं.

जिस क्षण मैं घर के अंदर घुसता हूं, उनकी नजर मुझ पर लगी रहती है.

मैं जहां भी जाता हूं, मुझे झंडे और युद्ध में शामिल होने के भर्ती स्टेशन दिखाई देते हैं. ऐसा लगता है कि वे मुझे बुला रहे हों. पिताजी हमेशा कहते थे कि हमें दुश्मन की धमकियों का मुंह-तोड़ जवाब देना चाहिए - और देखो अब जर्मनी, फ्रांस को तबाह करने की कोशिश कर रहा है.

उम्र के बारे में झूठ बोलूंगा. मेरी ऊंचाई अच्छी है इसलिए भर्ती में कोई समस्या नहीं आएगी.

पता नहीं अब पिताजी कहाँ होंगे?
पर उन्हें मुझ पर जरूर गर्व होता!
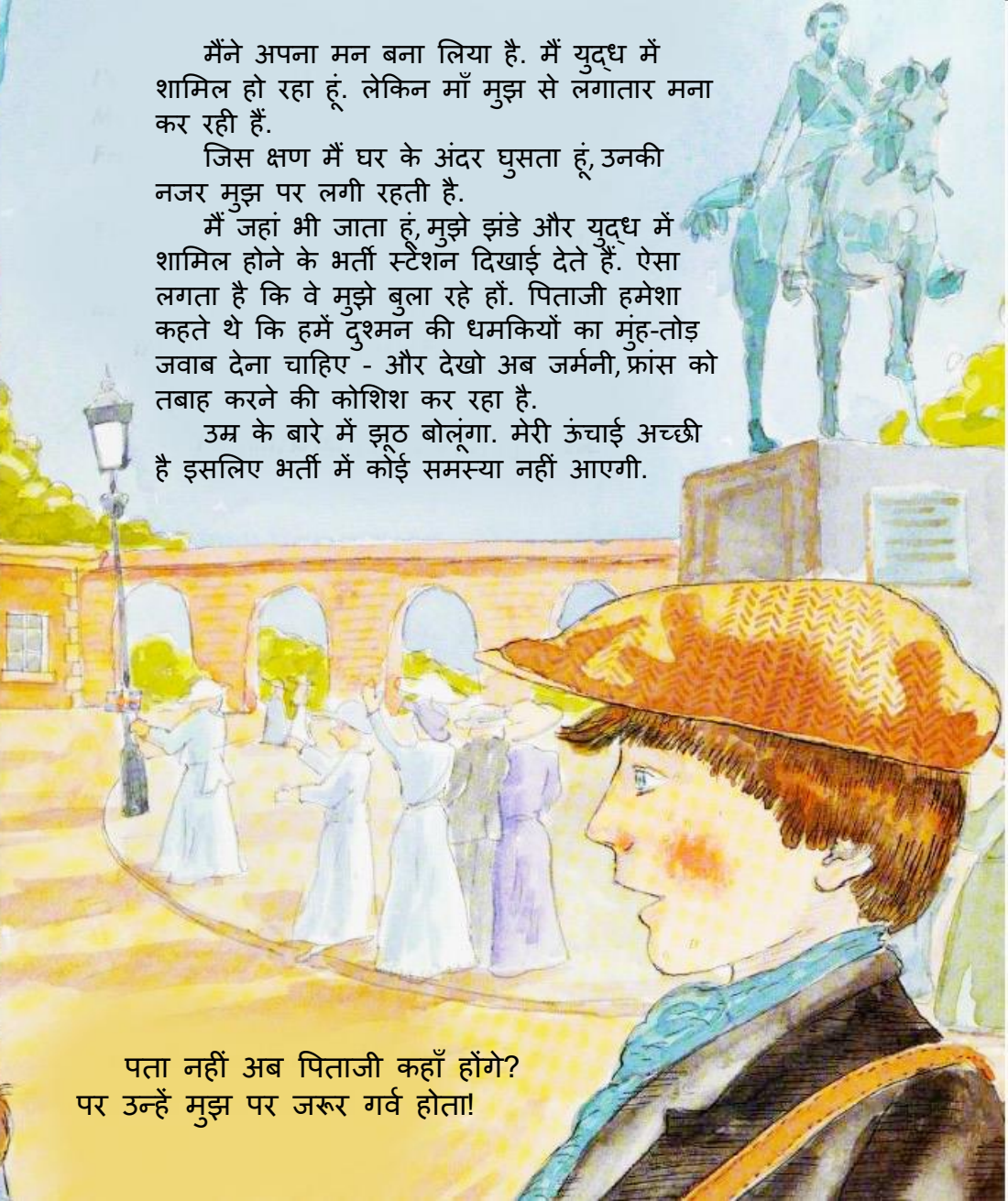
मैं भर्ती होने में सफल हुआ!

एक पल के लिए मैं कुछ सकपकाया. भर्ती करने वाले सार्जेंट ने मुझे ऊपर से नीचे देखा, और जब मैंने कहा कि मैं उन्नीस वर्ष का हूं तो वो मुस्कुराया. लेकिन उसने मुझे भर्ती कर लिया.

प्रशिक्षण कठिन था. हालाँकि, मेरी कई मांसपेशियाँ अब चुस्त हो गई हैं! पर मैं अभी भी माँ को पत्र लिखने की हिम्मत नहीं जुटा पाया हूँ.

एक लड़के ने मुझे बताया कि वो सोलह वर्ष का था. अन्य लड़कों ने भी कुछ ऐसा ही कहा होगा. फिर एक लड़के की माँ शिविर में आईं और उन्होंने सार्जेंट की खाट खड़ी कर दी!

बेचारे जिम का दावा गलत निकला और हमने उसे आखिरी बार तब देखा जब उसकी माँ उसे सड़क पर ले जा रही थीं और उसके कान ऐंठ रही थीं. मुझे लगता है कि जिम की मां खुद की एक महिला बटालियन बना सकती थीं - जर्मनी से लड़ने के लिए!

उसके बाद मैं चुप रहा. बेचारी माँ.
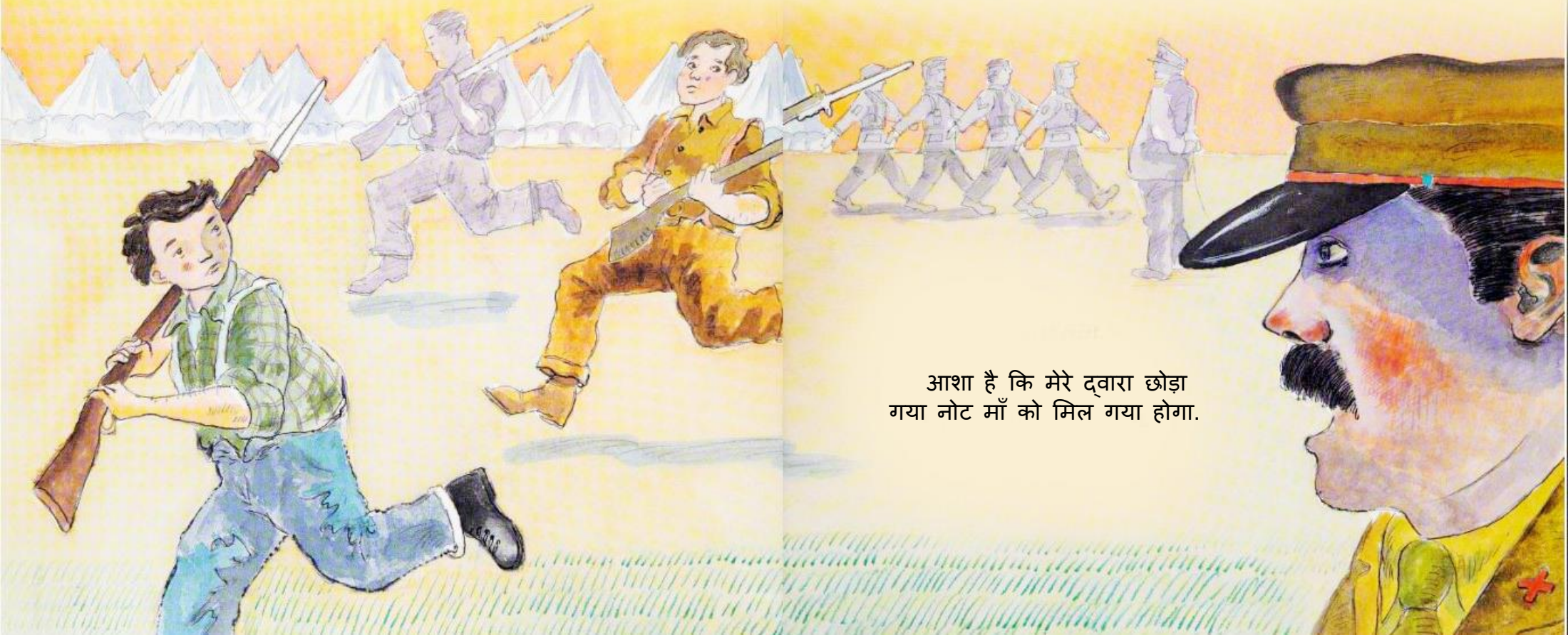
आशा है कि मेरे द्वारा छोड़ा गया नोट माँ को मिल गया होगा.
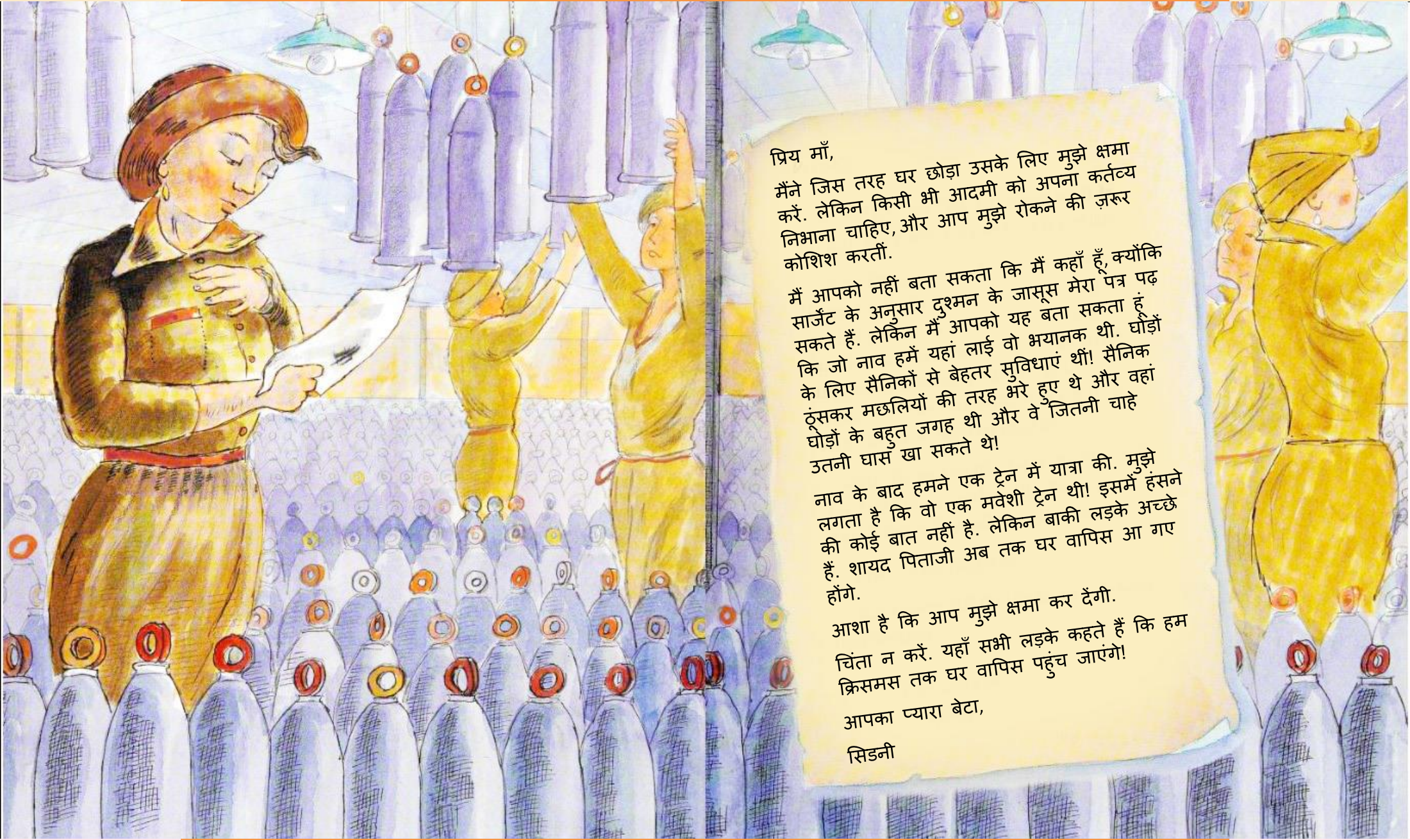
प्रिय माँ,

मैंने जिस तरह घर छोड़ा उसके लिए मुझे क्षमा करें. लेकिन किसी भी आदमी को अपना कर्तव्य निभाना चाहिए, और आप मुझे रोकने की ज़रूर कोशिश करतीं.

मैं आपको नहीं बता सकता कि मैं कहाँ हूँ, क्योंकि सार्जेंट के अनुसार दुश्मन के जासूस मेरा पत्र पढ़ सकते हैं. लेकिन मैं आपको यह बता सकता हूं कि जो नाव हमें यहां लाई वो भयानक थी. घोड़ों के लिए सैनिकों से बेहतर सुविधाएं थीं! सैनिक ठूंसकर मछलियों की तरह भरे हुए थे और वहां घोड़ों के बहुत जगह थी और वे जितनी चाहे उतनी घास खा सकते थे!

नाव के बाद हमने एक ट्रेन में यात्रा की. मुझे लगता है कि वो एक मवेशी ट्रेन थी! इसमें हंसने की कोई बात नहीं है. लेकिन बाकी लड़के अच्छे हैं. शायद पिताजी अब तक घर वापिस आ गए होंगे.

आशा है कि आप मुझे क्षमा कर देंगी.

चिंता न करें. यहाँ सभी लड़के कहते हैं कि हम क्रिसमस तक घर वापिस पहुंच जाएंगे!

आपका प्यारा बेटा,

सिडनी

मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा होगा. जब हमने खाइयां खोदना शुरू कीं, तब मुझे वो काम बहुत आसान लगा था. कड़ी मेहनत, फिर सिगरेट और हंसी. वो सब कुछ आदमियों का काम था.

लेकिन फिर बारिश शुरू हो गई. भयंकर तेज़ बारिश. खाइयां मैले तालाब बन गईं. जब हम कीचड़ भरे चैनलों से गुजरते तो पीले, खट्टे पानी में से हमें गुज़ारना पड़ता था. मुझे यकीन है कि वो स्थान कभी प्यारा रहा होगा - हमारे डरहम की तरह ही वो कभी हरे-भरे खेतों और पक्षियों से भरा होगा. पर अब नहीं.

फिर लड़ाई शुरू हुई

आज एक लड़के को गोली लगी - उसके घुटने के नीचे का पैर चला गया, बेचारा बिना एक पैर के घर गया. एक बम्ब ने उसका पैर उड़ा दिया. वो केवल उन्नीस साल का था. अब वो दुबारा कभी काम नहीं कर पायेगा.

काश वो मैं होता.
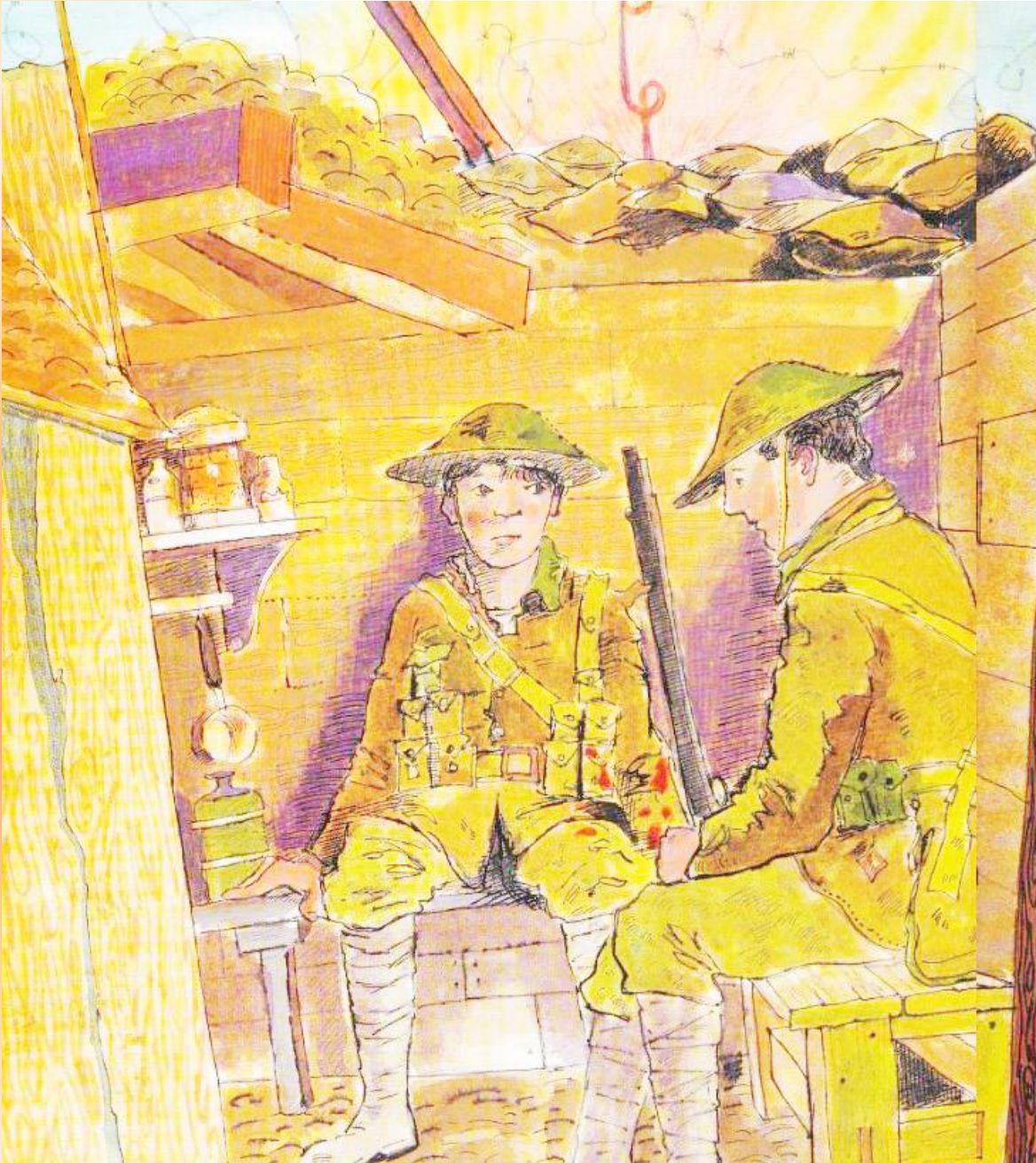
यहाँ आपको भयंकर शोर सुनाई देता है. बमबारी लगातार चलती रहती है एक कभी न खत्म होने वाली आंधी की तरह. फिर आपके सिर के ऊपर अजीब सी भनभनाहट होती है. क्रोधित मधुमक्खियों की तरह, लेकिन कहीं अधिक घातक डंक के साथ. वो होती हैं दुश्मन की गोलियां.

जोंसी ने इसे उसे आज खरीदा. एक मिनट बाद वो चाय में चूने की क्लोराइड के बारे में कराह रहा था - उसने कहा कि वो उसे पीना चाहता था, उससे शौचालयों को ब्लीच करना नहीं चाहता था! अगले मिनट, वो खांसते हुए नीचे गिर गया. उसके सीने से एक भयानक बुदबुदाहट का शोर हो रहा था. मैं बस घूरकर उसे देख सकता था. वो बहुत डरा हुआ लग रहा था. फिर वो चुप हो गया.

मैं घर वापस आने के लिए कुछ भी देने को तैयार हूँ.

प्रिय माँ,

अखबारों की डराने वाली ख़बरों पर विश्वास न
करें. हालात इतने खराब नहीं है.

मैंने चाय के साथ फिर से मांस खाया - कच्चे
प्याज के साथ. वो बेकन जितना अच्छा नहीं
था, लेकिन फिर भी ठीक था. ढेर सारी चाय पी,
आलूबुखारे और सेब का जैम भी खाया!

मैंने पिताजी के बारे में कुछ नहीं सुना है.
क्या उन्होंने कोई पत्र लिखा?

माँ, मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूँ, यह बात
कभी मत भूलना.

वैसे भी, फ़्रिट्ज़ फिर से चला गया है, इसलिए
मैं अभी के लिए लिखना बंद करता हूँ. और
यह मत भूलना - मैं क्रिसमस तक घर वापिस
आ जाऊंगा!

आपका प्यारा बेटा,

सिडनी
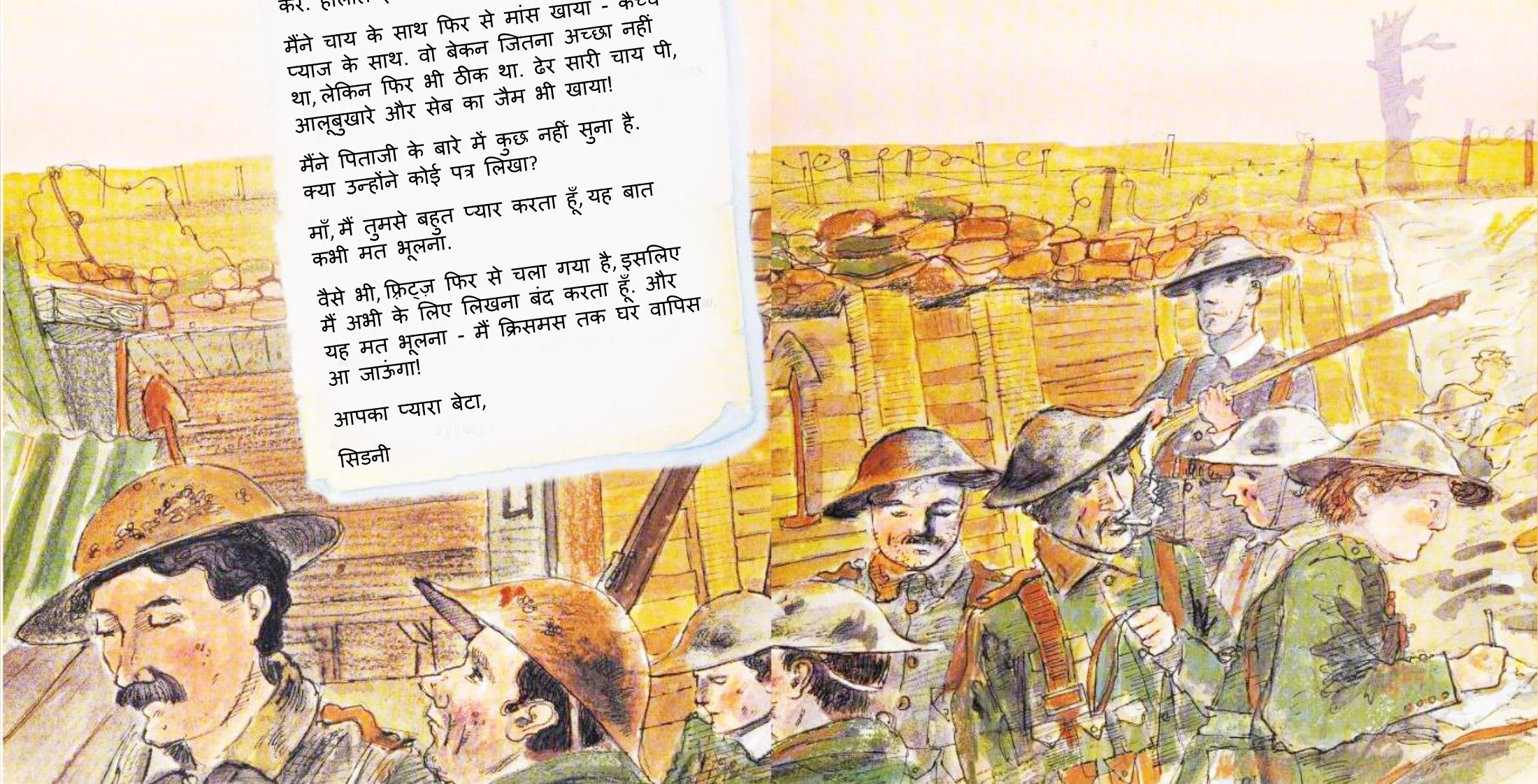
अगर भगवान सुन रहा हो तो वो हमारी मदद करे. पर मुझे उस पर संदेह है. मुझे नहीं पता कि दोनों में क्या बुरा है - जूँ या चूहे. जूँ मेरे कपड़ों पर रेंग रही हैं और मेरी त्वचा लाल-कच्ची हो गई है. शरीर में भयानक खुजली है. मेरा साथी बिली अपनी खाकी वर्दी से उन्हें कुचलने की कोशिश करता है - लेकिन हमेशा कुछ और जूँ उनकी जगह ले लेती हैं.

और चूहे इतने बदमाश हैं कि वे दिन के उजाले में भी आपका भोजन चुरा लेते हैं! कल रात बिली ने एक चूहे को गोली मारी - वो बिल्ली जितना बड़ा था, मैं कसम खाता हूँ. काश मेरे पास पिताजी का टेरियर कुत्ता होता. वो चूहों को ज़रूर मज़ा चखाता!

आशा है कि पिताजी की हालत मुझसे बेहतर होगी. मैं अचरज कर रहा हूँ कि आज रात वो कहाँ होंगे.

मैं नमी और गीले के कारण बहुत बीमार हूँ. हम कितना भी गंदा पानी बाहर निकालें, वो फिर से खाइयों में रिसकर वापस आ जाता है. हम हर समय लथपथ रहते हैं. मेरे पैरों में दर्द है. उसे "ट्रेंच फुट", बीमारी बुलाते हैं. मेरे पैरों से बदबू आती है. लेकिन बाकी सभी लड़कों का भी वही हाल है.

आज पास में एक गोला आकर गिरा. वो सबसे अजीब चीज थी जो मैंने कभी देखी. जहाँ गोला आकर गिरा वहां मिट्टी की एक दीवार ऊपर उठ गई, और फिर वो दीवार हमारी ओर बढ़ी. वो दीवार एक लहर की तरह हमारे सिर के ऊपर से गुज़री, और उसने हमें कीचड़ और पत्थरों से ढँक दिया!

जब कीचड़ मुझसे आकर टकराई तब मैं बिली से बात कर रहा था. मेरा मुंह कीचड़ से भर गया. जैसे ही मैंने अपनी आँखें साफ़ कीं, मैंने बिली के काले चेहरे को घूरते हुए देखा. मैं हंसने लगा, लेकिन बिली बस मुझे घूरता रहा.

बेचारा बिली. एकदम हास्यास्पद. लेकिन बिली अपने इस जीवन में दोबारा कभी नहीं हंस पाएगा.

काश मैं घर वापस जा पाता.
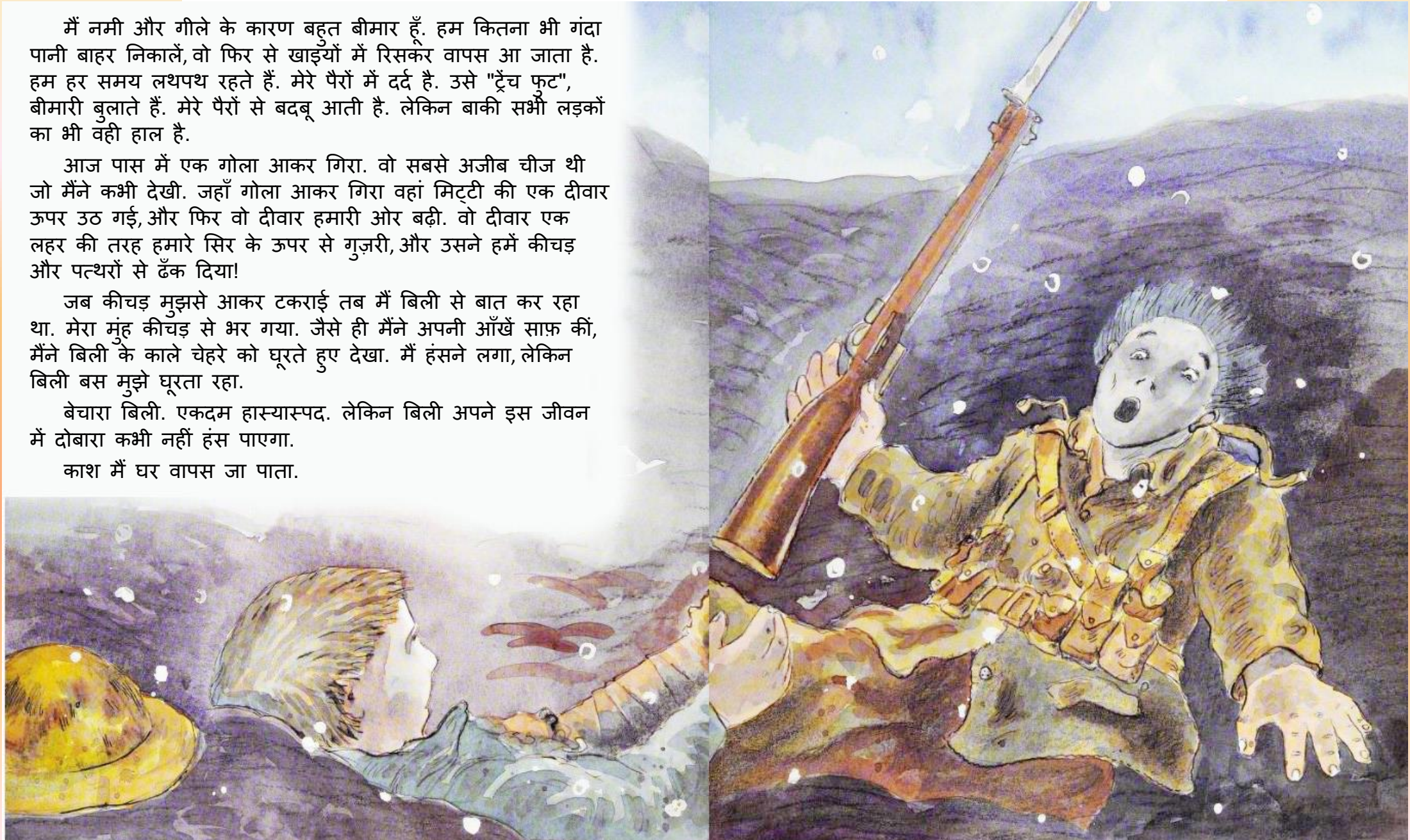
खैर, हम "शून्य" की प्रतीक्षा कर रहे हैं. 08.45 बजे हम चोटी पर होंगे. घंटों पहले गोलियां चलने लगीं. बहुत जल्द, हम सीढ़ियाँ चढ़कर ऊपर होंगे.

भगवान, कृपया मुझे यहाँ से जाने दो. मैं लड़कों को निराश नहीं करना चाहता. लेकिन मैं बहुत डरा हुआ हूं. उन तोपों की ओर दौड़ते हुए मैं खुदको एकदम नंगा महसूस करता हूँ. शायद दुश्मन को भी ऐसा ही लगता हो.

मुझे आशा है कि वहाँ मेरे नाम की कोई गोली न हो.

उन लड़कों में से एक पगला गया है - वो रो रहा है, हिल रहा है, और किसी बच्चे जैसे अपनी माँ को पुकार रहा है. हम उसे दोष नहीं दे सकते.

जब मैं हर बार आँखे मूंद लेता हूँ तो मैं खुद को वो घूमता-फिरता नृत्य करते हुए देखता हूँ जैसा आप किसी सैनिक को आग की लपटों में गिरते समय करते देखते हैं.

काश मैं अपनी माँ के साथ घर पर होता.

मैं जल्द ही लौटूंगा. बहुत देर नहीं होगी, माँ.
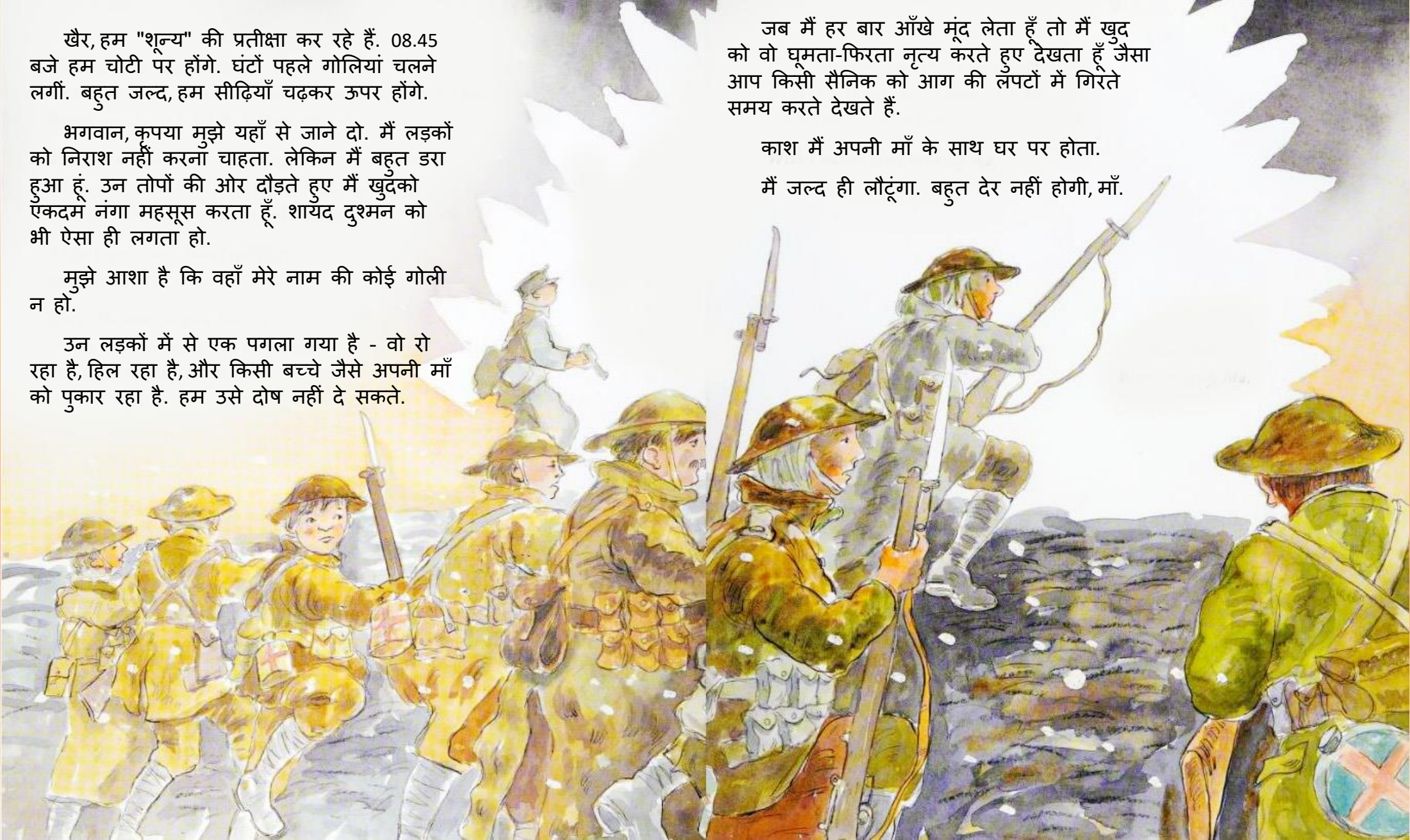
मेरी प्रिय,

मैं जल्द ही घर आ आउंगा. मैं यप्रेस में घायल हो गया हूँ, लेकिन तुम उसकी चिंता मत करना. शायद उस चोट के कारण ही वो मुझे घर भेजेंगे. हालात खराब हैं. बहुत ख़राब.

लेकिन मेरे लिए अब खेल खत्म हो गया है!

सिडनी को बताना कि मैं जल्द ही घर आऊंगा.

मुझे तुम दोनों की बहुत याद आती है.

लेकिन यह जानकर कि तुम दोनों सुरक्षित हो मेरा हौसला बढ़ता है.

तुम्हारा हमेशा प्यार करने वाला पति

पीटर

सिडनी एक असली युवक था. उसका जन्म काउंटी डरहम में हुआ था, लेकिन बेल्जियम में एक कीचड़ भरे मैदान में उसकी मृत्यु हो गई. उसकी कहानी दुखद है. युद्ध में सिडनी जैसे लाखों युवाओं के लिए कोई सुखद अंत नहीं था. प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस और रूस के लगभग हर परिवार ने अपने किसी न किसी सदस्य को खोया.

युद्ध की शुरुआत में 'मित्र' बटालियन एक साथ लड़ने गई. ये समूह एक विशेष गाँव या क्षेत्र के सभी युवकों से बने थे. लेकिन पूरी बटालियनों का सफाया हो गया, जिससे पूरे गाँव उजड़ गए और वहां कोई भी जवान वापस नहीं लौटा.

कई युवा लड़कों ने सेना में शामिल होने के लिए अपनी उम्र के बारे में झूठ बोला. मरने वाला सबसे छोटा सैनिक प्राइवेट जॉन कोंडोन था, जो केवल चौदह वर्ष का था. लेकिन कुछ सैनिक तो उससे भी छोटे थे. जेम्स बार्टाबी केवल तेरह वर्ष का था जब वो सेना में शामिल हुआ.

आप अपने शहर में चारों ओर देखें तब आपको ज़रूर कोई युद्ध स्मारक मिलेगा. वहां नाम पढ़ें, और उन गरीब युवा लड़कों और आदमियों के बारे में सोचें जो युद्ध में मारे गए. उन सभी शोक संतप्त परिवारों के बारे में सोचें जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया था. आपकी पुरानी पारिवारिक तस्वीरों में भी वो लोग होंगे जो प्रथम विश्व युद्ध में लड़े होंगे - और उसमें मारे गए होंगे. महिलाएं भी मारी गईं. कई महिलाओं ने नर्सों और एम्बुलेंस चालकों के रूप में स्वेच्छा से काम किया था, पर अंत में उनकी भयानक परिस्थितियों में मौत हुई.

प्रथम विश्व युद्ध के अंत तक 908,371 ब्रिटिश लोग मारे गए और 2,090,212 घायल होकर घर वापिस लौटे. कई मर्दों को भयानक चोटों और 'शेल शॉक' के साथ एक नया जीवन शुरू करना पड़ा - उनको युद्ध के शोर और भयावहता से मिली मानसिक बीमारियां भी झेलनी पड़ीं.

प्रथम विश्व युद्ध, या 'महान युद्ध', इसलिए लड़ा गया क्योंकि उसे सभी युद्धों को समाप्त करने वाला युद्ध माना जाता था. अफसोस की बात यह है कि 1939 में एक दूसरा भयानक युद्ध लड़ा गया जिसमें फिर से लाखों लोगों की जानें गईं.